नईदुनिया 3-4-2019

सोलर पैनल से रोशन होगा विवि, 15 दिन में शुरू होंगे उपकरण लगना

इंदौर। नईदुनिया प्रतिनिधि

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के विभागों की इमारत पर अगले 15 दिन में सोलर पैनल लगाने का काम शुरू होगा। यहां 670 किलोवाट के उपकरण लगाए जाएंगे। ऊर्जा विकास निगम ने इसके लिए उपकरण मंजूर कर दिए हैं। हॉस्टल और आधा दर्जन विभाग इसके लिए चिन्हित किए गए हैं। यहां सूरज की रोशनी से बिजली पैदा की जाएगी। इसे विवि को ही सप्लाई किया जाएगा। माना जा रहा है कि मई के आखिरी सप्ताह तक इन उपकरणों की टेस्टिंग के बाद बिजली का उत्पादन शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए एजेंसी 1 रुपए 90 पैसे प्रति यूनिट की दर से विवि से राशि वसूलेगी।

स्कूल ऑफ कॉमर्स, इकोनॉमिक्स, कम्प्यूटर साइंस, ईएमआरसी, आईईटी, पत्रकारिता विभाग समेत गर्ल्स-बॉयज हॉस्टल की बिल्डिंग को सर्वे के बाद सोलर पैनल लगाने के लिए चुना है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बिजली की खपत के आधार पर एक हजार किलोवाट

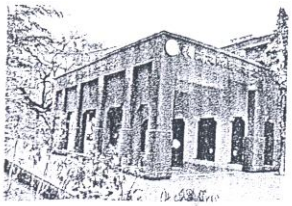

1.90 रुपए प्रति यूनिट की दर से एजेंसी वसूलेगी बिल

तक के उपकरण मांगे थे, लेकिन निगम ने फिलहाल 70 फीसदी उपकरण ही मंजूर किए हैं। इसे लेकर मंगलवार को विश्वविद्यालय को ऊर्जा विकास निगम से ई-मेल मिल गया है। सोलर पैनल लगाने का काम मुद्रा पावर एजेंसी करेगी। इसके लिए विश्वविद्यालय से कोई राशि नहीं ली जाएगी। एजेंसी और विवि के बीच 25 साल का अनुबंध होगा। उपकरण के मेंटेनेंस का जिम्मा भी एजेंसी का रहेगा।

35 लाख का आता है बिल : नालंदा-तक्षशिला, स्टाफ क्वार्टर, टीचिंग डिपार्टमेंट, हॉस्टल, मूल्यांकन केंद्र, कम्प्यूटर सेंटर का मिलाकर बिल प्रतिमाह लगभग 35 लाख रुपए आता है। बिजली कंपनी से 7 रुपए 10 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली मिलती है। बीते एक साल में हॉस्टल का बिजली बिल कम हुआ है। चार लाख के बजाए अब सभी हॉस्टल का दो लाख रुपए बिल जमा किया जा रहा है। चीफ वार्डन डॉ. अजय तिवारी ने बताया कि विवि की खपत के मुताबिक अभी सिर्फ 70 फीसदी बिजली पैदा कर सकेंगे। इसके लिए 10 जगह उपकरण लगाने हैं। काम 15 अप्रैल से शुरू किया जाएगा।

इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगेंगे

सभी विभागों में बिजली कंपनी और एजेंसी से विद्युत सप्लाई की जाएगी। यहां इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगेंगे। इसमें एजेंसी और बिजली कंपनी की अलग-अलग रीडिंग रिकॉर्ड होगी। उसके आधार पर बिल की राशि जमा करेंगे।

- डॉ. नरेंद्र धाकड़, कुलपति, डीएवीवी